विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाएं

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और जापान बैंक ऑफ इंटरनेशनल कोओपरेशन से ऋण के रूप में विदेशी सहायता प्राप्त कर अनेक परियोजनाएं कार्यान्वित कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की परियोजना के लिए विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और जापान बैंक ऑफ इंटरनेशनल कोओपरेशन से क्रमशः 1345 मिलियन अमरीकी डालर , 950 मिलियन अमरीकी डालर और 32,060 मिलियन येन का ऋण अनुबंध किया गया है।

तृतीय राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना

8.1.2 तृतीय राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना (एल एन 4559-आई एन) जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में कुल 477 कि.मी. लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों को चार लेन बनाने का कार्य शामिल है, के लिए विश्व बैंक के साथ अगस्त, 2000 में एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस ऋण की कुल राशि 516 मिलियन अमरीकी डालर है। इस परियोजना में पायलट रोड कॉरीडोर प्रबंधन और सड़क सुरक्षा कार्य और संस्थागत सुदृढ़ीकरण एवं प्रशिक्षण भी शामिल हैं। सिविल कार्य प्रगति पर हैं। इस परियोजना के दिसंबर, 2006 तक पूरा होने की संभावना है।

ग्रांड ट्रंक रोड सुधार परियोजना (जी टी आर आई पी)

8.1.3 ग्रांड ट्रंक रोड सुधार परियोजना (जी टी आर आई पी) के लिए 589 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण के लिए विश्व बैंक के साथ जुलाई, 2001 में एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड राज्यों में 422 कि.मी. लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों को चार लेन का बनाया जाना शामिल है। सिविल कार्यों के लिए ठेके प्रगति पर हैं। शिकोहाबाद से इटावा तक एक पैकेज, जिसे ठेकेदार के घटिया कार्य-निष्पादन के कारण ठेका निरस्त करने के बाद सितम्बर, 2005 में पुनः सौंपा गया है, के कार्य के अलावा इस परियोजना के दिसंबर, 2006 तक पूरा होने की संभावना है।

इलाहाबाद बाइपास परियोजना

8.1.4 इलाहाबाद बाइपास परियोजना रा.रा. 2 के 158 कि.मी. से 242.71 कि.मी. तक के 84.71 कि.मी. के विकास के बारे में है, इसमें पुल हिस्से शामिल हैं। इसकी मंजूरी लागत विश्व बैंक की 240 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता सहित 1060.49 करोड़ रु. है। यह परियोजना तीन निर्माण पैकेजों में विभाजित की गई है और सभी पैकेजों पर सिविल कार्य प्रगति पर हैं। इस परियोजना के जून, 2007 तक पूरा होने की संभावना है।

लखनऊ- मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना

8.1.5 विश्व बैंक ने 21 दिसंबर, 2004 में लखनऊ-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना (एल एम एन एच पी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक ने 620 मिलियन अमरीकी डालर का ऋण अनुमोदित किया है जिसमें सड़क कार्यक्रम प्रबंधन की सांस्थानिक क्षमताओं, परिसंपत्तियों और सेवाओं को और अधिक वाणिज्यिक आधार पर सुधारने की परिकल्पना की गई है।

8.1.6 इस परियोजना के अंतर्गत 4 लेन विभाजित कैरिजवे में उन्नत करने के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग खंड उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में पूर्व-पश्चिम महामार्ग के साथ-साथ लखनऊ और मुजफ्फरपुर के बीच अखंड रूप से 513 कि.मी. खंड के साथ स्थित हैं। इस संपूर्ण खंड को 12 इंजीनियरी डिजाइन ठेका पैकेज में विभाजित किया गया है सिवाय गोरखपुर बाइपास के जिसे बी ओ टी/वार्षिकी स्कीम के अंतर्गत प्रस्तावित किया गया है। सभी सिविल पैकेज सौंप दिए गए हैं। 12 पैकेजों की कुल ठेका राशि लगभग 3208 करोड़ रु. है। ऋण करार पर आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय और विश्व बैंक के बीच दिनांक 18 नवंबर, 2005 को हस्ताक्षर किए गए।

तुमकुर- हवेरी परियोजना

8.1.7 पश्चिमी परिवहन महामार्ग परियोजना के अंतर्गत रा.रा. 4 के 259 कि.मी. लंबे तुमकुर-हवेरी खंड को 4 लेन का विभाजित कैरिजवे बनाने के लिए 240 मिलियन अमरीकी डालर

रा.रा.–5 पर धर्मावरम तूनी रोड प्रोजेक्ट

की ऋण राशि के लिए एशियाई विकास बैंक के साथ एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस परियोजना की स्वीकृत लागत 1151 करोड़ रु. है। इस परियोजना को पांच निर्माण पैकेज में विभाजित किया गया है। सभी पैकेजों पर कार्य चल रहा है और इस परियोजना को दिसंबर, 2006 तक पूरा किए जाने की संभावना है।

पूर्व-पश्चिम महामार्ग परियोजना

8.1.8 गुजरात में पूर्व-पश्चिम महामार्ग के पोरबंदर से डीसा खंड के 504.60 कि.मी. में चार लेन बनाने का कार्य 2573.50 करोड़ रु. की अनुमानित लागत से प्रारंभ किया गया है। इसमें से एशियाई विकास बैंक वर्ष 2002 के लिए ऋण भाग के रूप में 1587 करोड़ रु0 (320 मिलियन अमरीकी डालर) का वित्तपोषण कर रहा है। सिविल कार्य ठेके नवंबर, 2004 में सौंपे गए। इस परियोजना को दिसंबर, 2007 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

राष्ट्रीय राजमार्ग महामार्ग (सेक्टर-I) परियोजना - पूर्व पश्चिम महामार्ग

8.1.9 एशियाई विकास बैंक की सहायता से चलने वाली इस परियोजना में राजस्थान में चित्तौड़गढ़ से उत्तर प्रदेश में ऊरई तक 602 कि.मी. (राजस्थान में 342 कि.मी., मध्य प्रदेश में 118 कि.मी. और उत्तर प्रदेश में 142 कि.मी.) कवर किया गया है। इस परियोजना के लिए एशियाई विकास बैंक से 400 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता 27 जनवरी, 2004 को मंजूर हुई थी। इस परियोजना में 12 सिविल निर्माण पैकेज हैं और सभी पैकेज सौंप दिए गए हैं। पर्यवेक्षण परामर्श को तीन पैकेजों में विभाजित किया गया है, दो पैकेजों के लिए ठेका करारों पर हस्ताक्षर हो गए हैं और शेष एक पैकेज के लिए सुपुर्दगी पत्र जारी किया गया है। इस परियोजना को मई, 2008 तक पूरा करने का कार्यक्रम है।

राष्ट्रीय राजमार्ग महामार्ग (सेक्टर-II) परियोजना - उत्तर-दक्षिण महामार्ग

8.1.10 इस परियोजना के प्रमुख घटक में एन एच डी पी चरण-II के उत्तर-दक्षिण महामार्ग पर 566 कि.मी. लंबी सड़क को चार लेन का बनाने की योजना है। इसमें रा.रा. 26 के झांसी-लखण्डन खंड पर 313 कि.मी. और रा.रा. 7 के हैदराबाद-बंगलौर खंड पर 253 कि.मी. की लंबाई शामिल है। एशियाई विकास बैंक से 400 मिलियन अमरीकी डालर का ऋण पहले ही अनुमोदित हो चुका है। इस परियोजना को दिसंबर, 2008 तक पूरा करने का कार्यक्रम है।